

## रा.आ.बैंक का दिसंबर 2022 को समाप्त तिमाही हेतु एनएचबी रेजीडेक्स

### प्रेस विज्ञप्ति

23 फरवरी 2022

राष्ट्रीय आवास बैंक दिसंबर 2022 को समाप्त तिमाही के लिए **एनएचबी रेजीडेक्स** जारी कर रहा है। आवास मूल्य सूचकांक (एचपीआई) वित्तीय वर्ष 2017-18 को आधार वर्ष के रूप में तिमाही आधार पर चुनिंदा 50 शहरों में आवासीय संपत्तियों के मूल्यों में उतार-चढ़ाव को ट्रैक करता है।

प्राथमिक ऋणदाता संस्थानों (**एचपीआई @ आकलन मूल्य**) से एकत्र की गई संपत्तियों के मूल्यांकन मूल्यों 50 शहरों के आधार पर एचपीआई ने एक वर्ष पहले के 4.5% की तुलना में दिसंबर 2022 समाप्त तिमाही में 7.1% की वार्षिक वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) दर्ज की।

**एचपीआई @ आकलन मूल्य** में वार्षिक परिवर्तन: 21.4% (गांधीनगर) की वृद्धि से लेकर 11.6% (लुधियाना) की गिरावट तक के शहरों में व्यापक रूप से भिन्न है।

50 शहरों में से 44 शहरों ने सूचकांक में वृद्धि दर्ज की जबकि 6 शहरों ने वार्षिक आधार पर गिरावट दर्ज की। देश के सभी आठ प्रमुख मेट्रो अर्थात् अहमदाबाद (14.4%), बेंगलुरु (8.0%), चेन्नई (8.7%), दिल्ली (1.8%), हैदराबाद (10.2%), कोलकाता (7.4%), मुंबई (4.4%) और पुणे (7.2%) ने वार्षिक आधार पर सूचकांक में वृद्धि दर्ज की।

क्रमिक (तिमाही-दर-तिमाही) आधार पर, 50-शहर सूचकांक ने पिछली तिमाही में यह 1.2% की तुलना में अक्टूबर-दिसंबर 2022 में 1.5% का विस्तार दर्ज किया। सूचकांक जून-21 से तिमाही-दर-तिमाही आधार पर एक बढ़ती प्रवृत्ति प्रदर्शित कर रहा है।

सूचकांक में शीर्ष 50 शहरों में से 40 शहरों में वृद्धि दर्ज की गई, जिसमें कोच्चि ने 6.4% का उच्चतम अनुक्रमिक सुधार दर्ज किया, जबकि लुधियाना, दिल्ली, देहरादून, नागपुर, नवी मुंबई, रायपुर, भिवाड़ी, विधान नगर, हावड़ा, एवं न्यू टाउन कोलकाता ने तिमाही के दौरान एचपीआई @ आकलन मूल्य में अनुक्रमिक गिरावट दर्ज की (लुधियाना में 8.9% की अधिकतम गिरावट दर्ज की गई)।

**निर्माणाधीन संपत्तियों के लिए 50 शहर एचपीआई @ बाजार मूल्य** की गणना निर्माणाधीन और ऐसी संपत्तियां जो की रहने के लिए तैयार है पर बिक्री नहीं है, के लिए उद्धृत मूल्यों के अनुसार गणना की गई, दिसंबर 2022 समाप्त तिमाही में 10.8% की वार्षिक वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) भी दर्ज की गई, जबकि एक वर्ष पूर्व यह 2.9% थी।

एचपीआई @ बाजार मूल्य में वार्षिक भिन्नता 41.2% (लखनऊ) की वृद्धि से लेकर 3.4% (राजकोट) के संकुचन तक थी।

अनुक्रमिक (तिमाही-दर-तिमाही) आधार पर, 50 शहरों के सूचकांक में पिछली तिमाही में 3.7% की तुलना में तिमाही के दौरान 3.1% की वृद्धि देखी गई। निर्माण की बढ़ती लागत संपत्ति की मांग कीमतों पर प्रभाव दिखा रही है।

कोविड-19 के बाद सूचकांकों में निरंतर वृद्धि हुई है। टियर II और टियर III शहरों में सुधार अधिक प्रमुख रहा है।

\*\*\*\*\*